04. साँवले सपनों की याद

प्र.1 किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया?

उत्तर: एक बार बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने उन्हें इतना आहत किया कि उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। उसके बाद उनकी रुचि पक्षियों की दुनिया की ओर हो गई और इस घटना ने उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया। वे पक्षियों की खोजबीन, देखभाल एवं संरक्षण में जुट गए।

प्र.2 सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?

उत्तर: सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने केरल की 'साइलेंट वैली' संबंधी खतरों की बात उठाई होगी। कहा होगा कि वृक्षों की कटाई होने से वैली का सौंदर्य और उसकी हरियाली समाप्त हो जाएगी। वह रेगिस्तानी गर्म हवाओं के झोंकों का शिकार हो जाएगी। वातावरण में परिवर्तन से वैली के पक्षी भी वैली छोड़कर कहीं और चले जाएँगे। पर्यावरण प्रदूषण के विनाशकारी प्रभाव को सुनकर उनकी आँखें नम हो गई थीं।

प्र.3 लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है"?

उत्तर: फ्रीडा ने अपने पति लॉरेंस के पक्षी-प्रेम और घनिष्ठता को उद्घाटित करने के लिए ऐसा कहा होगा। वे जानती थीं कि लॉरेंस गौरैया के साथ अपने जीवन का काफ़ी समय बिताते थे। गौरैया के प्रति उनके प्रेमपूर्ण-व्यवहार को फ्रीडा ने अपनी आँखों से देखकर जो महसूस किया होगा, उस अनुभव को शब्दों के माध्यम से बताना आसान नहीं रहा होगा।

प्र.4 आशय स्पष्ट कीजिए (No Need To Write, Just Remember)

(क) वो लॉरेंस की तरह नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।

(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे, तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा?

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उत्तर (क): 'नैसर्गिक जिंदगी' का अर्थ है- प्रकृति का हर तत्त्व, हर कण की तरह स्वाभाविक होना। लॉरेंस का जीवन प्रकृति के समान सहज-सरल होकर प्रकृतिमय हो गया था। उन्हीं की भाँति सालिम अली भी अपने आपको प्रकृति के प्रति समर्पित कर चुके थे। इनका जीवन भी प्रकृति के समान ही सहज और सरल हो गया था। वे पूरी तरह से प्रकृति में खो चुके थे।

(ख): लेखक प्रस्तुत कथन के माध्यम से यह बताना चाहता है कि सालिम अली रूपी पक्षी की मृत्यु हो चुकी है। उनके सपने मौलिक थे। वैसा पक्षी-प्रेमी अब इस दुनिया में दोबारा जन्म नहीं लेगा। आशय यह है कि जैसे सालिम अली पशियों की हिफ़ाज़त के प्रति समर्पित थे, वैसी कोशिश करके भी उनके समान किसी पक्षी-प्रेमी को उत्पन्न नहीं किया जा सकता।

(ग): सालिम अली ने स्वयं को किसी स्थान विशेष या जीव विशेष से बाँधकर नहीं रखा। उन्होंने प्रकृति के विशाल प्रांगण में बिखरे अनुभवों से अपने को समृद्ध किया। वे अथाह सागर की भाँति प्रकृति में अबाध गति से चलते रहे। उन्होंने अपने आप को किसी भी प्रकार की सीमा में बाँधकर नहीं रखा।

प्र.5 इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

(i) इस पाठ में आम बोल-चाल की भाषा का प्रयोग हुआ है, जिससे भाषा सहज और सरल हो गई है।

(ii) प्रस्तुत पाठ में उदाहरण शैली का प्रयोग हुआ है।

(iii) अभिव्यक्ति में चित्रात्मकता है।

(iv) उर्दू, तद्भव और संस्कृत व अंग्रेज़ी शब्दों का मिश्रण है।

04. साँवले सपनों की याद

प्र.6 इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: सालिम अली का शरीर दुबला-पतला था। वे कमज़ोर थे, लेकिन उनकी दृष्टि में सूक्ष्म निरीक्षण शक्ति प्रबल थी। वे जिज्ञासु प्रवृत्ति के थे। पक्षियों की गतिविधियों के पारखी थे। उनके गले में सदा दूरबीन लटकी रहती थी। वे अत्यधिक संवेदनशील थे। उनका संपूर्ण जीवन पक्षियों के जीवन की जानकारी एवं खोजबीन करने में ही बीता था।

प्र.7 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: साँवले सपने अर्थात् धुँधली स्मृति, लेकिन यहाँ यह मनमोहक इच्छाओं का प्रतीक है। सपने हमेशा रहस्य और जिज्ञासा से भरे होते हैं। इस निबंध के माध्यम से सालिम अली की याद को ताज़ा बनाए रखना एक प्रमुख उद्देश्य है। लेखक यह भी बताना चाहता है कि जो सपने सालिम अली ने देखे थे, वे सपने उनके थे, मौलिक थे। वैसा सपना देखना सबके वश की बात नहीं। लेखक को पक्षी प्रेमी सालिम अली के सपनों की याद आती है। इस प्रकार, यह शीर्षक सार्थक है।

रचना और अभिव्यक्ति

प्र.8 प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं?

उत्तर: पर्यावरण को बचाने के लिए मेरे एवं समाज के अन्य सदस्यों द्वारा निम्न योगदान किया जाना चाहिए

(i) पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनात्मक रवैया अपनाया जाए।

(ii) कूड़ा-कचरा व गंदगी को जगह-जगह न फेंका जाए।

(iii) प्लास्टिक का प्रयोग पूर्णतया बंद कर देना चाहिए।

(iv) आस-पास हरियाली के लिए अधिक पेड़-पौधों को लगाने का प्रयास किया जाए।

04. साँवले सपनों की याद

(v) पर्यावरण को अपने स्तर पर कम-से-कम दूषित किया जाए।

Sources: All In One Guide Book – Hindi 'A' Class 9 according to CBSE
Govindo Sir – Bal Mandir School Hindi Teacher